अनुबंध - I

(पैरा 4.3.1 देखें)

एनईएलपी ब्लॉकों में निर्णीत हर्जाने के परिहार्य भुगतान को दर्शाने वाला विवरण

क्रम सं.	खण्ड का नाम	विस्तार अवधि	निर्णीत हरजाना (यूएस $)	लेखा टिप्पणी
1	एए-ओएनएन-2001/1	01.11.06-30.04.07	236572	ओएनजीसी ने जनवरी 2006 में स्थान खोला और अप्रैल 2006 में पूरा करने के नियत समय के विपरीत फरवरी 2007 पूरा कर लिया। अतः, एमडब्ल्यूपी के फेज-I के पूरा न करने के कारण ओएनजीसी को पैट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस के लिए विस्तार फीस के अलावा शास्ति का भुगतान भी करना पड़ा। संदर्भः 2009-10 सी एण्ड एजी की रिपोर्ट सं. पीए 27 का पैरा 6.7.2.1 (i) अध्याय VI शीर्षक "ओएनजीसी में तटवर्ती अन्वेषण कार्य कलापों की निष्पादन लेखापरीक्षा"।
2	एमबी-ओएसएन-97/4	08.05.06-07.11.06	3496201	ओएनजीसी ने फेज-II में प्रतिबद्धित दो कुओं की 7 मई, 2006 तक खुदाई नहीं की थी और इसके लिए एलडी का भुगतान करके विस्तार का लाभ उठाया। संदर्भः सी एण्ड एजी की 2010-11 की रिपोर्ट संख्या 10 का पैरा 8.7.1.3, अध्याय 8 शीर्षक " छिछले पानी ब्लॉकों मे अन्वेषण"।
3	जीएस-ओएसएन-2001/1 (लेखाओं में प्रावधान)	I- 12.09.06-11.03.07 II- 12.03.07 से 11.09.07	i)3336582 ii)1703197	तीसरे कुएं की खुदाई पूरी होने (11 अक्तूबर 2007) के बाद चौथा कुँआ पाँच महीने बाद (22 मार्च 2008) में खोदा गया। डीजी एच द्वारा कुएं की खुदाई को एमडब्ल्यूपी का हिस्सा नहीं माना गया क्योंकि यह डीजीएच की अनुमति लिए बिना विस्तार अवधि के बाद खोदा गया। अतः, डीजीएच ने अपूर्ण एमडब्ल्यूपी एवं एलडी के लिए भुगतान की माँग की। ओएनजीसी ने अपूर्ण कार्य कार्यक्रम के लिए ₹ 68.19 करोड़ और एलडी के लिए ₹ 11.62 करोड़ का प्रावधान रखा। यह मामला अभी भी डीजीएच के पास लम्बित है।
4	केके-ओएसएन-2001/2	12.09.06-11.03.07	1249689	ओएनजीसी ने ताजा ईआईए अध्ययनों के लिए 591 दिनों का क्षम्य विलम्ब मांग परन्तु डीजीएच ने 108/111 दिनों का विस्तार अनुमोदित (03.02.2009) किया और ओएनजीसी को ब्लॉक अभ्यिर्पित करने को कहा। तथापि ओएनजीसी ने कुंए (सीएसपीई)/(केएलए-1) की खुदाई 17.12.2008/9.5.2009 को डीजीएच की अनुमति के बिना की। डीजीएच ने इस कुएँ को एमडब्ल्यूपी का हिस्सा नहीं माना और एमडब्ल्यूपी की अधूरी लागत के प्रति ₹ 114.65 करोड़/₹ 186.96 करोड़ की मांग की। ओएनजीसी ने उसके लिए प्रावधान रखा। यह मामला अभी तक डीजीएच के पास लम्बित है।
5	केके-ओएसएन-2001/3	12.09.06-11.03.07	1293275	

				संदर्भः सी एण्ड एजी की 2010-11 की रिपोर्ट सं.10 का पैरा 8.7.2.2 (iii), अध्याय 8 शीर्षक " छिछले पानी ब्लॉकों में अन्वेषण ।
6	एमएन-ओएसएन-97/3	19.11.05-18.11.06	5090455	एमएन-ओएस-जी स्थल (16 अगस्त 2005 में खोला गया) को रिग सागर विजय द्वारा खुदवाने की योजना थी तथापि, अक्तूबर 2005 में अनिवार्य सूखा डॉकिंग के लिए भेज दिया गया था। अतः रिगे ट्रांसओसियन नॉरडिक को स्थान की खुदाई के लिए लिया गया (26 नवम्बर 2005)। परन्तु अपने पहले स्थल से रिग को पुनः प्राप्ति में विलम्बे के कारण इस स्थल को केवल 26 नवम्बर 2006 को खोद पाया। इसके अतिरिक्त 4500 एम (एमडब्ल्यूपी फेज-III) के एक कुएँ के विपरीत, अन्वेषण चक्र समाप्त होने के बाद 876 एम के कमी के साथ दो कुएं (एमएन-ओएसजे-1) x 1390 एम और (एमएन-ओएस-I) x 2234 एम तक ड्रिल किये गये (25 मई 2007) थे। संदर्भः सी एण्ड एजी की 2010-11 की रिपोर्ट संख्या 10 का पैरा नं. 8.7.3.2, अध्याय 8 शीर्षक " छिछले पानी ब्लॉकों में अन्वेषण"।
7	एमएन-डीडब्ल्यूएन-98/3	19.11.06-18.05.07	2230000	ओएनजीसी ने एनईएलपी-I के दो ब्लॉकों (के जी- डीडब्ल्यूएन- 98/2 एवं एमएन- डीडब्ल्यूएन- 98/3) एवं एनईएलपी-IV के एक ब्लॉक (एमएन- डीडब्ल्यूएन- 2002/1) के लिए डाटा प्राप्त करने के लिए ठेका दिया था। तथापि, ठेकेदार द्वारा अधिग्रहण का कार्य आने वाली क्षेत्र अवधि में शुरू गया था। परिणामस्वरूप, वहाँ डाटा की व्याख्या, स्थानों के चिन्हित करने व खोलने और खुदाई में विलम्ब हो गया था। इस विलम्ब के कारण छः कुओं की खुदाई ब्लॉक के समाप्त होने से पहले पूरी ना हो सकी (सितम्बर 2007)। संदर्भः पैरा 7.7.2.1 (सी), सी एण्ड एजी की 2008 की रिपोर्ट संख्या पीए 9, अध्याय VII शीर्षक "गहरा जल अन्वेषण"। इससे अतिरिक्त, एमएन-डीडब्ल्यूएन-2002/1 ब्लॉक के संबंध में (i) एमसी ने अभी तक तीसरे स्थान की खुदाई का अनुमोदन नहीं किया था, (ii) फेज I के दूसरे विस्तार के लिए अभी तक अनुमोदन प्राप्त नहीं किया जा सका, (iii) बेसिन रिग विश्राम नीति के आधार पर तीन साल के समय का लाभ उठाने के बावजूद कुंओ की प्रतिबद्धित एमडब्ल्यूपी पूरा नहीं कर सका था।
8	एमएन-डीडब्ल्यूएन-2002/1	17.09.11-16.03.12	1296990	
9	एनईसी-डीडब्ल्यूएन-2002/2	17.09.11-16.03.12	2693096	उपर क्रम संख्या 7 में बताए गए बिन्दुओं के समान ही, इस मामले में भी ठेकेदार मानसून के शुरू होने के कारण ठेकागत क्षेत्र अवधि में डाटा की प्राप्ति को पूरा

				करने में विफल रहा। संदर्भः सी एण्ड एजी की 2008 की रिपोर्ट संख्या पीए 9 का पैरा 7.7.2.2 अध्याय VII शीर्षक "गहरा जल अन्वेषण"। इससे अतिरिक्त, हांलाकि ओएनजीसी ने रिग विश्राम नीति (1.1.08 से 31.12.10) का लाभ उठाया था परन्तु यह सारे कुंओं की खुदाई नहीं कर सकी और एलडी का भुगतान करना पड़ा और चौथे कुंए की खुदाई के लिए 16.3.12 तक फेज-I का विस्तार लेना पड़ा।
10	सीवाई-डीडब्ल्यूएन-2001/1	12.09.07-11.03.08	3056403	ब्लॉक का अन्वेषण फेज-I मार्च 2007 तक था। एलडी का भुगतान करके 6 माह के पहले विस्तार का लाभ सितम्बर 2007 तक उठाया गया था और 6 माह का दूसरा विस्तार मार्च 2008 तक लिया गया। स्थल को पहले विस्तार के समाप्त होने के बाद ही जनवरी 2008 में खोला गया। यह विलम्ब भूकम्प सम्बन्धित डाटा की व्याख्या में विलम्ब के कारण और डाटा के प्राप्ति और संसाधन के बाद स्थल के अनुमोदन में 18 माह के विलम्ब के कारण था।
11	केके-डीडब्ल्यूएन-2001/3	12.09.07-11.03.08	620027	ब्लॉक का अन्वेषण फेज-I मार्च 2007 तक था। छः मास का पहला विस्तार पीएससी के तहत सितम्बर 2007 तक प्राप्त किया गया था और अन्य छः मास का विस्तार सितम्बर 2007 से मार्च 2008 तक एलडी का भुगतान करके प्राप्त किया गया था। स्थान सितम्बर 2007 में प्रस्तावित किया गया एवं मई 2008 में खोला गया। भुकम्प डाटा की व्याख्या एवं स्थान के अनुमोदन में विलम्ब था जिससे पहले विस्तार के लिए परिणाम एलडी का भुगतान करना पड़ा।
12	एमएन-डीडब्ल्यूएन-2002/2	17.09.11-16.03.12	5480660	पार्टी की वित्तीय स्थिति की उपेक्षा करते हुए ठेका देने के कारण 2डी डाटा की प्राप्ति में दो साल से ज्यादा का विलम्ब हुआ। परिणाम स्वरूप, सितम्बर 2007 तक, ब्लॉक एमएन-डीडब्ल्यूएन-2002/2 के पहले चरण (मार्च 2004 से मार्च 2008) में प्रतिबद्धित दो कुओं के विपरीत किसी भी कुएं की खुदाई ना कर सकी। इसी प्रकार, ब्लॉक एनईसी-डीडब्ल्यूएन-2002/2 के तहत प्रतिबद्धित चार कुँओं के विपरीत कम्पनी एक कुँआ खोद सकी। (सन्दर्भः सी एण्ड एजी की 2008 की रिपोर्ट संख्या पीए 9 का पैरा 7.7.2.2, अध्याय VII शीर्षक "गहरा जल अन्वेषण) कम्पनी रिग ऋणास्थगत के बावजूद अपने एमडब्ल्यूपी को प्राप्त करने में विफल रही। इसके अतिरिक्त यद्यपि कम्पनी ने रिग को आबंटन आधार पर किराये पर लिया था और उसे जुलाई 2009 में संचारित किया, यह अपेक्षित संख्या में कुँओं की खुदाई नहीं कर सकी।

13	सीबी-ओएसएन-2003/1	14-2-11 से 13-8.2011	₹ 5.90 करोड़	अति कठिन संभार-तंत्र के कारण स्थान नॉर्थ डीगम-1 (13.02.2007 को खोला गया) की खुदाई नहीं हुई थी। गल्फ-बी1 (23.09.2009 को खोला गया) भी नहीं खोदा जा सका जबकि मृदा कोरिग सर्वेक्षण पूरा था एवं इस ब्लॉके में दो स्थानों को ध्यान में रखते हुए अति-छिछला जल रिग हरक्यूलस 260 (अप्रैल 2008 में संचारित) को किराये पर लिया गया था। इसके परिणाम स्वरूप कुंओं के एमडब्ल्यूपी के पूरा होने में विलम्ब हुआ। इसके अतिरिक्त, एपीआई के पूरा होने में विलम्ब के कारण स्थलों के खोलने (2010-11 के दौरान खोले गए) में विलम्ब हुआ एवं अन्त में अन्तिम दो कुँओं अलिबेट-2 (13.12.2010) एवं अलिबेट-3 (03.04.2011) की खुदाई में विलम्ब हुआ जिसके परिणाम स्वरूप दूसरा एवं तीसरा विस्तार हुआ और एलडी का भुगतान करना पड़ा।
	कुल		31783147 x ₹40 + ₹5.90 करोड़ = ₹133.03 करोड़	

अनुबंध II

पैरा (4.4) देखें

क. पूरी तरह से क्षमता का पता लगाए बिना ब्लॉक का समर्पण

क्र. सं.	नामांकन ब्लॉक	अवधि	एमडब्ल्यूपी	वास्तविक	लेखापरीक्षा टिप्पणी
1	**रामपुर पचमढ़ी अनहोनी**	प्रारंभिक अवधि 1.4.1998 से 31.3.2004	कोई प्रतिबद्धता नहीं	एपीआई 448.55 एलकेएम 2डी भूकम्पीय डाटा; ड्रिल किया गया कुआँ (अनहोनी-1) जो कम गैस को दर्शाता था।	1.विस्तार सहित 2004-05 से छः वर्षों की पुनः अनुमोदित अवधि के दौरान, ब्लॉक की संभावना का पूर्णरूप से पता नहीं लगाया जा सका। छठे वर्ष विस्तार की मंजूरी न होने के कारण अन्य मुक्त स्थान आर-बीएम-ए को ड्रिल नहीं किया जा सका। 2. यद्यपि ब्लॉक बारह वर्ष के लिए ओएनजीसी के पास था, लेकिन अभी तक अन्वेषण पूरा करना बाकी था। पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस (पीईएल) के अंतर्गत रकबा को पूर्णरूप से अन्वेषित किए बिना 26.02.2010 को छोड़ दिया गया था। ब्लॉक में किया गया व्यय ₹ 116.37 करोड़ था।
		पुनः अनुमत और विस्तार की अवधि 1.1.2004 से 26.2.2010 तक	2डी भू कम्पीय डाटा का 50 एलकेएम का एपीआई 1 कुआँ	पूरा किया गया एपीआई कुआँ को पुनः अनुमत अवधि के पश्चात ड्रिल किया गया था और समय से पहले समाप्त हो गया था	
2	**पाटन थराड एक्स्टे-I 9.973 किमी**	प्रारंभिक अनुमत अवधि 25.09.1995 से 25.9.2001 तक	कोई प्रतिबद्धता नहीं	कुआँ 01 (जाँच पूरी नहीं की गयी)	डीजीएच ने 6ठे और 7वें वर्ष के लिए विस्तार से इनकार कर दिया क्योंकि पूरे क्षेत्र पर 3 डी भूकम्पीय डाटा अधिग्रहीत करने के लिए 5वें वर्ष का विस्तार दिया गया था जिस पर कार्रवाई नहीं की गई थी। अतः ओएनजीसी को पूरी तरह से ब्लॉक का अन्वेषित किए बिना ब्लॉक का समर्पण करना था (1.4.2007)।
		पुनः अनुमत अवधि 24.9.2001 से 23.9.2005 तक	2डी-10 एलकेएम कुआँ 01	2डी-30 एलकेएम कुआँ-0 (आरंभिक साइकिल में ड्रिल किए गए कुआँ की जाँच पूरा की गयी)	
		विस्तार अवधि 24.9.2005 से 23.9.2006 तक	शून्य	शून्य	
3	**पाटन 327 वर्ग किमी**	0.10.1998 से 06.10.2004 (प्रारंभिक अनुमत अवधि)		329 एलकेएम कुआँः 01 (ड्राय)ड्रिलिंग के अंतर्गत एक कुआँ।	1. 12 वर्षों की सम्पूर्ण अवधि के दौरान केवल तीन कुओं की ड्रिलिंग की गई और चार वर्षों की पुनः अनुमत अवधि के दौरान 200 वर्ग किमी की वचनवद्धता के प्रति 3डी डाटा का 69.63 वर्ग किमी

		07-10-2004 से 06-10-2008 (विस्तार अवधि)	3डी-200 एसकेएम कुआँ 02 (फर्म) 01 सूचक	3डी-69.63 एसकेएम कुआँ 01 (प्रारंभिक चक्र में ड्रिलिंग के अतर्गत कुआँ को पूरा किया गया)	अधिकृत किए गए 3डी डाटा के प्रसंस्करण और व्याख्या को पुनःस्वीकृत समय सीमा के पंचम वर्श में पूरा किया गया था और एक क्षेत्र को ड्रिलिंग हेतु जारी कर दिया गया था। भूमि के अधिग्रहण में हुई देरी के कारण इस क्षेत्र में बढाई गई समय सीमा में ड्रिलिंग की गई और बढ़ाए गए समय के पांचवे वर्श में अधिग्रहित 200 वर्ग कि. मी. 3डी डाटा उपयोगी सिद्ध नहीं हुआ क्यो कि डी टी एच के निर्देशानुसार ब्लाक को पांचवे वर्श के अन्त में छोड़ दिया गया था।
		07-10-2008 से 31-03-2011 (विस्तार अवधि)	कुआँः 01	3डी-200 एसकेएम कुआँ: 01 (ड्राय)	
4	**खम्बेल 206.135 एसकेएम**	29-12-1994 से 28-12-2000 (प्रारंभिक अनुमत अवधि)	कोई प्रतिबद्धता नहीं	कुएं: 06 (5 ड्राय 1 तेल)	1. छः वर्षों के प्रारभिक चक्र के दौरान ओएनजीसी ने छः कुएं ड्रिल किए जिसमें से खम्बोई-1 कुआँ से तेल निकला। 2. छठे एवं 7वें वर्ष के विस्तार के दौरान डीजीएच ने देखा किया कि अन्वेषण की दृष्टि से प्रस्तावित कार्यक्रम पर्याप्त नहीं था और खम्बोइ-1 कुआं पर ध्यान केन्द्रित करते हुए 3डी एपीआई (लगभग 100 वर्ग किमी) को पूरा करने और संशोधित कार्यक्रम प्रस्तुत करने का सुझाव दिया। तथापि, 3डी सर्वेक्षण नहीं किया गया था और पुनः अनुमत अवधि के छठे वर्ष के दौरान ड्रिल किया गया कुआँ कम्बोई-6 ड्राय हो गया था। 3. पीईएल के दिनांक 27.12.2007 को छोड़ दिया गया था जबकि वर्ष 1995-96 के दौरान ड्रिल किया गया कुओं कम्बोई-1 तेल कुआँ था।
		29-12-2000 से 28-12-2004 तक (पुनः अनुमत अवधि)	कुएं -2	कुएं: 2 ड्राय	
		विस्तार 29.12.2004 से 28.12.2007 तक	कुएं 3 (1 फर्म और 2 सूचक)	कुआँ 1 ड्राय	
5	**सी-ओएस-IX**	01.01.04 - 30.04.2011	कुएं 5	कुएं 6	ब्लॉक को ब्लॉक में नन्नीलम पे-सैंड के विस्तार का रूपरेखा के बिना छोड़ दिया गया था क्योंकि यह एक कुएं को पूरा करने के लिए अपेक्षित संशाधनों को संघटित करने में विफल रहा। इस ब्लॉक में ₹ 276.06 करोड़ खर्च हुआ।
6	**केकेडीडब्ल्यू - 12 एवं 17**	(प्रभावी तारीखः 1997)	कुआँ 1	3डी (अधिग्रहण) 487 वर्ग किमी 2डी (लम्बे समय भरपाई) 1200 एलकेएम कुआँ 0 (12.8.2009 तक किया गया कार्य)	एमडब्ल्यूपी को पूरा किए बिना डीजीएच के अनुरोध पर ब्लॉक को समर्पित कर दिया गया।
7.	**ईडी-ए**	प्रभावी तारीखः 11-11-1996 पुनः अनुमत 2004-05-2010-11	कुएं 6 2डी 3550 एलकेएम 3डी समुद्र के तल पर केबलिंग	कुएं 6 2डी 3550 एलकेएम 3डी (ओबीसी) 340 वर्ग किमी	अनुमत अवधि से अधिक कंपित क्रिया कलापों सहित 14 वर्ष (1996 से) के लिए ब्लॉक धारित था। मार्च 2011 एवं मई 2011 में पूरा किए गए कुओं के परिणाम का केवल निर्धारण करने के

			(ओबीसी) 340 एसकेएम		पश्चात् ओएनजीसी ने खुले क्षेत्रफल में हाईड्रोकार्बन संचय की पता लगाया और 09.05.2011 का एमएल के लिए आवेदन किया। तथापि, डीजीएच द्वारा मामले की अनुशंसा नहीं की गई थी क्योंकि स्थान में मात्रात्मक हाईड्रोकार्बन की मात्रा स्थापित नहीं की गई थी और ब्लॉक के पीईएल सीमा से बाहर निवेदित पीएमएल क्षेत्र के भाग खुला क्षेत्रफल (95.0 वर्ग कि.मी.) में पड़ता था। ओएनजीसी को अंततः ब्लॉक समर्पित करना पड़ा था।

ख. ब्लॉको में धीमी अन्वेषण प्रगति

क्र. सं.	नामांकन ब्लॉक	अवधि	एमडब्ल्यूपी	वास्तविक	लेखापरीक्षा टिप्पणी
1.	कचार जिला	1.4.1997 से 31 मार्च 2003 प्रारंभिक अनुमत अवधि	कोई प्रतिबद्धता नहीं	2डीः 560 एल के एम कुएं: 4	6ठे एवं 7वें वर्ष के दौरान गैस संकेतन से पीईएस चक्र कुओं एनटी-1 (एनटीएए) और बीके-13 (बीकेएबी) ड्रील किए गए थे। आगे ओएनजीसी ने 2 कुओं के एमडब्ल्यूपी सहित 01.04.2010 से 31.03.2012 तक प्रभावी साईट 7वां वर्ष के आगे 2 वर्षों का विस्तार मांगा जिसे जीओआई द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई थी। कम्पनी द्वारा किसी भी कुएं की खुदाई नहीं की गई थी और एमडब्ल्यूपी की पूर्ति न होने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता जैसाकि पीईएल 31.03.2012 को समाप्त हो रहा था।
		पुनः अनुमत अवधि 1.4.2003 से 31.3.2007	कुएं: 2 2डीः 3डीः10 एसकेएम	कुएं:2* (*2009-10 में विस्तार अवधि में 1 कुआँ पूरा किया गया था)	
		विस्तार अवधि 1.4.2007 से 31.3.2012 (5वें से 7वें वर्ष और आगे दो वर्ष का विस्तार	कुएं: 2	शून्य (31.12.2011 तक)	
2.	एल-1	01.04.04 - 01.04.11 31.03.2013 तक विस्तार की अनुमति	2डी 200एलकेएम 3डी 509 वर्ग किमी कुएं 12	2डी 499एलकेएम, 3डी 1481 वर्ग किमी कुएं 7	सात वर्षों से अधिक अवधि में पाँच कुओं ड्रिलिंग में कमी ब्लॉक में कार्य की धीमी प्रगति को दर्शाया गया था।
3.	बीबी-ओएस-डीडब्ल्यू-1	प्रभावी तारीखः 1998 पुनः अनुमत	कुआँ 1 2डी 200एलकेएम 3डी 1868 एसकेएम	कुआँ 0 3डी -2447 वर्ग किमी (अधिग्रहण)	ये ब्लॉक दस वर्षों से अधिक से ओएनजीसी के पास था लेकिन प्रतिबद्ध कुओं की खुदाई नहीं कर सके।
		2004-05- 2010-11	जीएंडजी डाटा का पुनर्मुल्यांकन 3डी 500 एसकेएम (आरपी) 1500 एलकेएम	3डी - 1288 एसकेएम (प्रसं–स्करण) 2डी-765 एलकेएम पुनः प्रसंस्करण पुराने 2डी डाटा पर आधारित जीएंडजी डाटा का पुनर्मूल्यांकन	इसके अतिरिक्त, एमओपीएनजी द्वारा इन नामांकन ब्लॉकों के लिए रीग होलीडे पालिसी का विस्तार न होने के कारण उसे ड्रील करने की कोई योजना नहीं थी। इन ब्लॉकों के लिए ₹ 13.21 करोड़ के पीईएल शुल्क का भुगतान कर दिया गया था।

4.	**बीबी-ओएस-डीडब्ल्यू-II**	प्रभावी तारीखः 1998 पुनः अनुमत 2004-05-2010-11	कुएं 2 3डी 2368 एसकेएम	कुएं 1 3डी 986 एसकेएम 2डी -765 (पुनः प्रसंस्करण)	
5.	**जीके-डीडब्ल्यू-1**	प्रभावी तारीखः 1998 पुनः अनुमत 2004-05-2010-11	कुएं 2 2डी 200एलके 3डी 1420 एसकेएम	कुएं 1	
6.	**डब्ल्यूओ-9**	प्रभावी तारीखः 1998 पुनः अनुमत 2004-05-2010-11	कुएं 2 ड्रिलिंग पर आधारित जीएंडजी डाटा का पुनर्मूल्यांकन	कुएं 2 3डी 8700 एसकेएम (पुनः प्रसंस्करण) 3डी - 241 एसकेएम (व्याख्या)	ब्लॉक 14 वर्ष से अधिक से ओएनजीसी के पास था। तथापि, कम्पनी अभी तक अग्रदर्शिता की समीक्षा करने की प्रक्रिया के अधीन थी।

संदर्भ की सूची

1. तेलक्षेत्रों (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1948 (ओआरडी अधिनियम)।
2. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियमावली, 1959
3. 1997 में नये अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी)
4. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा 2000 में गठित हाईड्रोकार्बन दृष्टि 2025
5. लोक उद्यम विभाग (डीपीई) का दिशानिर्देश।
6. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय और तेल और प्राकृतिक गैस निगम लि. के बीच वार्षिक सहमति ज्ञापन।
7. दोनों सदन के समिति की रिपोर्ट
8. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की 6ठां, 7वां और 8वां नीतिगत बैठक
9. भारत योजना आयोग का XI पंचवर्षीय योजना।
10. महानिदेशक, हाईड्रोकार्बन, प्रशासनिक परिषद की कार्यसूची और कार्यवृत्त।
11. महानिदेशक, हाईड्रोकार्बन की अर्द्धवार्षिक समीक्षा रिपोर्ट (2007-10)
12. ब्रैन्डोन एस ट्रे (इकोनोमिट्रीयन, सलाइकार) और नूरा अर्फा (सलाइकार) दोनों तेल, गैस और खनन नीति डिविजन, विश्व बैंक सहित से अंशदानों राष्ट्रीय तेल कम्पनियां और मूल्य सृजन मामला अध्ययनों खंड-II सिल्वना टोर्डो (अग्रणी उर्जा अर्थशास्त्री-तेल, गैस और खनन नीति डिविजन, विश्व बैंक)।
13. प्रोजेक्ट आरकुबे अनलिजिंग ओएनजीसीज़ हयुमन पोटेनशियम (अगस्त 2005, नई दिल्ली)- मक्निसी एंड कम्पनी।
14. प्रोड़क्शन शेयरिंग कन्ट्रैक्ट ऑफ न्यू एक्सप्लोरेशन लाइसेसिंग पालिशी (एनईएलपी ब्लॉक)
15. हाईड्रोकार्बन अन्वेषण और उत्पादन क्रियाकलाप-2009-10
16. हाईड्रोकार्बन प्रोडक्शन शेयरिंग कन्ट्रैक्ट्रस की निष्पादन लेखापरीक्षा 2011-12
17. इंटरनेट साइट्सः-

क) www.indianpetro.com

ख) www.infraline.com

ग) www.oilfieldsglossary.com

घ) www.rigzone.com

18. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय का आरएफडी (परिणाम ढांचा कागजात)।
19. दूसरा वेतन संशोधन समिति की रिपोर्ट।
20. पेट्रोलियम भूगर्भीय अन्वेषण, ड्रिलिंग और उत्पादन के लिए गैर-तकनिकी दिशानिर्देश, दूसरा संस्करण द्वारा नोर्मन जे. हाइन पीएचडी।

तकनीकी शब्दों की शब्दावली

तकनीकी शब्द	विवरण
मूल्यांकन कार्यक्रम	ठेके क्षेत्र की खोज के बाद, पेट्रोलियम भंडार की खोज और चित्रांकन की समीक्षा के लिए आरंभ किया गया एक कार्यक्रम जो उसकी गहराई और विस्तार को बताता है तथा प्राप्य हाईड्रोकार्बन की मात्रा तथ उसकी विशेषताओं को निर्धारित करता है।
मूल्यांकित कुआँ	एक कुआँ जो कि हाईड्रोकार्बन भंडार के विस्तार और मात्रा और नये तेल या गैस क्षेत्र में उत्पादन दर को सुनिश्चित करने के लिए खोदा जाता है।
स्वीकृत कार्य योजना और स्वीकृत बजट	एक कार्य योजना या बजट जो कि प्रबंधन कमेटी के द्वारा पारित किया जाता है और सरकार और ठेका लेने वाली पार्टी का मिला जुला प्रयास है जो कि उत्पादन सहयाजन ठेके के प्रावधानों के अनुरूप होता है।
संपत्ति	यह एक तत्व है जो कि तेल और गैस के तटवर्ती संयंत्रों के वर्तमान कुओं और ढुलाई की उत्पादन क्रियाओं से संबंधित है।
बैरल	एक मात्रा जो कि संयुक्त राज्य अमेरिका के बयालीस (42) गैलन के बराबर होती है जो एक (1) वातावरणीय दबाव में साठ (60) डीग्री फॉरेनहाईट तापमान पर सही आंकी जाती है।
बेसिन	पृथ्वी के तल पर एक गढ्ढा जहाँ वर्षों से अवसादी सामग्रियाँ इकठ्ठी होती रहती हैं।
बेसिन	अन्वेषण संबंधी प्रक्रियाओं से सम्बद्ध एक मात्रा/यूनिट।
ब्लॉक	तेल और गैस की खोज के लिए निर्धारित वह क्षेत्र जो कि सरकार द्वारा नई अन्वेषण लाईसेंसिंग पॉलिसी के अन्तर्गत नामांकन (पीईएल) या प्रत्याशित बोलीदाता को प्रदान किया जाता है।
कैन्टीलीवर रिग	एक जैक से उठाने वाली ड्रिलिंग यूनिट जिसमें ड्रिलिंग रिग दो भुजा उत्तोलकों पर लगाया जाता है जो कि इकाई के बरज हुल से बाहर निकला होता है।
व्यावसायिक खोज	हाईड्रोकार्बन भंडार की एक खोज जो कि व्यवसायिक लाभ के लिए की जाती है और जिसे पीएससी के प्रावधानों के अनुसार व्यवसायिक खोज घोषित कर दिया जाता है।
व्यवसायिक गति	कुएं या रिग के तल से ऊपर तक की खुदाई शुरू करने व पूरी करने की गति व्यवसायिक गति कहलाती है।
चक्र गति	किसी कुएं की खुदाई का पूरा समय जब से एक कुएं की खुदाई आरम्भ की गई और अगले कुएं की खुदाई के आरंभ तक रिग के द्वारा की गई ड्रील की गति चक्र गति कहलाती है।
गहरे पानी का क्षेत्र	400 मी. आईसोबॉथ से नीचे की गहराई वाला क्षेत्र।

चिन्हित कुआँ	नये तेल या गैस के भंडार क्षेत्र की सीमा या विस्तार को निरूपित करने के लिए यह कुआँ बनाया जाता है।
विकास	तेल या प्राकृतिक गैस के उत्पादन के लिए आवश्यक खोज के बाद ड्रिलिंग और अन्य संबंधित प्रक्रियाएं।
विकसित क्षेत्र	यह तेल या गैस क्षेत्र को चिन्हित करने वाला एक साधारण भौगोलिक आकार होता है जो कि ठेका क्षेत्र का भाग होता है जिसमें पैट्रोलियम उद्योग के कार्यों के लिए पर्याप्त अतिरिक्त क्षेत्र शामिल है और यह प्रबन्धन समिति और सरकार के द्वारा अनुमोदित क्षेत्र होता है।
विकास योजना	एक व्यवसायिक खोज के विकास के लिए ठेकेदार द्वारा बनाई गई योजना जो कि पीएससी के प्रावधानों के अनुसार प्रबन्धन समिति या सरकार द्वारा अनुमोदित होती है।
विकसित कुआं	एक स्थापित क्षेत्र से तेल या प्राकृतिक गैस के उत्पादन को बढाने के लिए खोदा गया कुआं।
खोज	हाईर्डोकार्बन भंडार की जानकारी जिसके होने का ज्ञान पहले नहीं था जिसे अब सतह पर लाकर परम्परागत पैट्रोलियम उद्योगों की जाँच प्रणालियों के द्वारा आंका जा सकता है।
अन्वेषण	स्थालाकृतिक सर्वेक्षण, भुगर्भिय सर्वेक्षण, भूकंपीय सर्वेक्षण और कुओं की खुदाई के द्वारा तेल और प्राकृतिक गैस की खोज करना।
अन्वेषण अवधि	पीएससी में निर्दिष्ट कोई और सभी समय अवधियाँ ।
अन्वेषित कुआँ	एक कुआँ जिसकी खुदाई किसी भौगोलिक स्तर पर अब तक न खोजे गये हाईड्रोकार्बन जमाव की भूगर्भीय स्थिति को जानने के लिए की गई (यह चाहे संरचनात्मक, स्तरीय, प्राकृतिक दबाव देने या सहने वाली) जिसकी गहराई या स्तरीकरण की स्तरीय जानका कार्य योजना में दी गई।
क्षेत्र	तेल क्षेत्र या गैस क्षेत्र अथवा दोनों का समिलान जैसा भी मामला है। एनईएलपी ब्लॉक के अन्तर्गत वह ठेका क्षेत्र जिसका उत्पादन सांझेदारी ठेकों के प्रावधानों के अनुसार विकास योजना विधिवत स्वीकृत की गई है।
प्राप्ति व्यय	प्राप्ति व्यय वह व्यय है जो कि अधिग्रहण प्रक्रिया, भूकंपीय आंकडों के विश्लेषण और अन्वेषित भंडार तक पहुँचने के लिए की गई खुदाई के लिए किया जाता है और जिसको आधार भूत संरचना के तैयार करने के बाद उसके उत्पादन अन्वेषण खर्च/ भंडारण के लिए खर्च किया गया होता है।
जी और जी आंकड़े	भूगर्भीय, भू-भौतिकीय और भू-रासायनिक आंकड़े ।
भू-तकनीकी आदेश	एक आदेश जो कि कुएं की खुदाई की योजना की प्रतिदिन की जानकारी को संरेखित करता है जैसे गहराई को बताते हुए अश्म विज्ञान की तुलना में गहराई, दबाव की तुलना में गहराई, आवरण वज्रीकरण नीति, कीचड़ की आवश्यकता, बिटस की आवश्यकता आदि।

हाइड्रोकार्बन	जैविक-रासायनिक विज्ञान में हाईड्रोकार्बन एक जैविक संरचना है जिसमें हाईड्रोजन और कार्बन शामिल होता है।
आईआईपी/एच आरंभिक उपस्थिति	आईआईपी/एच अशोधित तेल, संघनित, प्राकृतिक गैस, तरल प्राकृतिक गैस और संबंधित अपेक्षित तत्वों का परिणाम होता है जो कि एक समय में एक भंडारण में पाये जा सकते हैं।
परिनिर्धारित हर्जाना	परिनिर्धारित हर्जाना/जुर्माना उपार्जित और उपलब्ध करने के लिए भुगतान में वे सभी खर्चे शामिल होते हैं जैसे कि समय सीमा का बढ़वाना या अन्वेषित अधिकारों को लेने/बनाए रखने के लिए तय की गई थी या न्यूनतम कार्य योजना का पूरा न कर पाना जो कि हाईड्रोकार्बन को प्राप्त करने/प्राप्त करते रहने से संबंधित अन्वेषित प्रक्रियाओं के असफल होने से अन्वेषित अधिकारों के लेने/बनाये रखने के लिए समय
प्रबन्धन समिति	उत्पादन सांझेदारी ठेके के प्रावधानों के अनुसार स्थापित की गई समिति।
अल्प क्षेत्र	अल्प क्षेत्र वे खोजे गये क्षेत्र होते हैं जो कि उपलब्ध राजस्व, तकनीकी या नियंत्रक दौर के एक समय पर विकास के लिए अलाभकर माने जाते हैं।
न्यूनतम कार्य अनुग्रह	पीएससी के अनुरूप एनईएलपी की प्रबंधन समिति और संचालक बोर्ड के द्वारा लगाए गये फेजवार/वर्षवार न्यूनतम कार्य अनुग्रह।
न्यूनतम कार्य कार्यक्रम	प्रत्येक अन्वेषण दौर के दौरान कार्य योजना पैट्रोलियम कार्य योजनाओं को पूरा करने के उद्देश्य से बनाई जाती है जैसा कि पीएससी में दिया गया हो।
मोनीटाइज़ेशन	हाईड्रोकार्बन खोजों को क्षेत्र/ब्लॉक को वाणिज्यिक अवस्था तक लाने की समाहित प्रक्रिया।
नई खोज	पीएससी के स्थापित होने की तिथि के बाद की गई खोज।
नई अन्वेषण आज्ञा नीति (एनईएलपी)	अन्वेषण वर्ग के अधिनिर्णयों के लिए सभी पार्टियों को समान रूप से अवसर देने के लिए एनईएलपी को 1997-98 में भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया। इसको देश में हाईड्रोकार्बन के अन्वेषण के काम में तीव्रता लाने के लिए बनाया गया था जिसके माध्यम से गहरे पानी वाले क्षेत्रों विभिन्न ब्लॉक सहित में प्रतियोगितात्मक बोलियाँ हेतु प्रस्ताव दिए गए।
भागीदारी मुनाफा	ठेकेदार बनाने वाली प्रस्तावित पार्टी के बारे में पीएससी अधिकारों और प्रावधानों के अन्तर्गत उस पार्टी की प्रतिभागिता की प्रतिशतता दर्शाने वाला अविभाजित हिस्सा।
पैट्रोलियम	हिलियम को छोड़कर कच्चे तेल और/या प्राकृतिक गैस की प्राकृतिक अवस्था जो कि पैट्रोल या शैल में पाई जाती है।

पैट्रोलियम कीमत	पार्टियों द्वारा खर्च की गई लागत तथा व्यय जिनकी ठेके के अनुसार वसूली अनुमत होती है।
पूल	साधारणतः "पूल " भंडार का समानार्थक है जो कि पैट्रोल का प्राकृतिक पृथक भंडार होता है, जबकि कुछ अवस्थाओं में पूल में एक से अधिक भंडार हो सकते हैं।
पूर्वानुमान	हाईड्रोकार्बन के संभाव्य क्षेत्रों की भविष्यवाणी या अनुमान लगाने की प्रक्रिया।
संभावना	हाइर्डोकार्बन के भंडार के क्षेत्रों की संभावना दर्शाना।
प्रमाणित रिर्जव	मापे गए वे खनिज संसाधन जिनके विस्तृत तकनीकी और आर्थिक अध्ययन से यह दर्शाया है कि खुदाई निर्धारण तथा विशेष परिस्थितियों में औचित्यपूर्ण हो सकती है।
रिजर्व प्रतिस्थापन दर	किसी कम्पनी की रिजर्व प्रतिस्थापन दर हाईड्रोकार्बन की सह मात्रा होती है जो कि पूरे वर्ष में संग्रहित हाईड्रोकार्बन से उस कम्पनी के द्वारा संग्रहित की गई हाईड्रोकार्बन से विभजित करने के बाद आती है।
भंडारण	प्राकृतिक हाईड्रोकार्बन का एक पृथक संचय।
क्षेत्रीय अन्वेषण बोर्ड (आरएक्सबी)	आरएक्सबी में विभिन्न बेसिन और कम्पनी के संस्थानों (जीईओपीईसी और केडीएमआईपीई) के विशेषज्ञ शामिल होते हैं।
रिग	एक यंत्र जो कि कुएं की खुदाई के लिए प्रयोग होता है। ये कई प्रकार के होते है जैसे जैक से उठाने वाला रिग, तैरने वाले, प्रमापीय आदि। जैक से उठाने वाले रिग को आगे केंटीलीवर जैक, स्लॉट जैक और मैट जैक में श्रेणीकृत किया जा सकता है।
रिग दिन	एक अवधि में उन दिनों की संख्या जितने दिन एक रिग कार्य करता रहा/उपलब्ध रहा।
रिग महीना	उन दिनों की कुल संख्या जितने दिन एक रिग कार्य करता रहा/ उपलब्ध रहा।
रिग स्थगन/अवकाश नीति	अपतट ड्रिलिंग रिग की कमी के कारण भारत सरकार ने (जुलाई 2010) में 3 वर्ष अर्थात 2008-2010 के लिए ई और पी कम्पनियों को ड्रिलिंग अवकाश/रिग स्थगन करने का निर्णय किया।
अवसादीय बेसिन	अवसादीय बेसिन धरती की सतह पर बने गडढ़े होते हैं जहाँ जैवीय तत्व इकठे होते जाते हैं।
उथले पानी के कुएं	400 मी. की कम गहराई वाले पानी के कुएं।
स्ट्रीमर	हाईड्रोफोन्स की एक श्रृंखला जो कि परावर्तित संकेतो को अधस्तल परत पर ही ग्रहण कर लेती है।

अन्तिम रिजर्व	तेल और गैस उद्योग में प्रायः प्रयुक्त अनुमानित उत्पादन प्रणाली संभावित अन्तिम भंडार (ईयूआर) तेल और गैस की वह अनुमानित मात्रा है जो रिजर्व या कुएं से प्राप्त की जा सकती है।
कुआँ	एक बोर होल जो कि पैट्रोलियम कार्य विधि के दौरान ड्रिलिंग द्वारा बनाया जाता है परन्तु इसमें भूकम्पीय शॉट होल शामिल नहीं है।
कूप शीर्ष	कूप शीर्ष तेल के कुएं का वह हिस्सा होता है जो कि ऊपरी सतह पर समाप्त होता है चाहे वह धरती की हो या अपतटीय क्षेत्र की और यह वह बिंदु है जहाँ से पैट्रोलियम या हाईड्रो कार्बन गैस निकाली जा सकती है।
कार्य योजना	पैट्रोलियम क्रिया विधियों को पूरा करने के उद्देश्य से बनाई गई कार्य योजना ।
4सी	4 घटक, बोर होल या समुद्रीय भूकम्पीय आंकडे तीन लंबकोणतः जीओ-फोन्ज और एक हाईड्रो फोन के द्वारा प्राप्त किये जाते हैं जिसमें सागरीय तल संवेदक (बिन्दु व्यवस्था और तारें) एक प्रणाली प्रदान करता है जो कि सागर तल या बोर होल की दीवारों से संपर्क में रहती है इसके साथ ही साथ जीओ-फोन छोटी लहरों को माप सकते हैं जबकि हाईड्रोफोन संपीड़ित लहरों को माप सकते हैं।
4 डी	टाईम-लेप्स 3 डी अथवा 4 डी भूकम्पीय प्रौद्योगिकी एक जलाशय के उत्पादकता काल में विभिन्न समय पर प्राप्त 3 डी भूकम्पीय सर्वेक्षणों का उपयोग है। इसमें व्यवहार्यता तथा डिज़ाईन से अधिग्रहण एवं प्रोसेसिंग, इनवर्ज़न से व्याख्या तक, तथा अन्ततः जलाशय प्रबंधन के साथ एकीकरण तक बृहत कार्यप्रवाह शामिल है।

संकेताक्षरों की सूची

एए एण्ड ए	असम एवं असम ऑरकन
एपीआई	अधिग्रहण, प्रसंस्करण और व्याख्या
एटीएन	की गई कार्रवाई टिप्पण
एचआर	मानव संसाधन
एलकेएम	लाइन किलोमीटर
एमबीए	महानदी बंगाल अंडमान बेसिन
एमएल	खनन पट्टा
एचईपीआई	हारडी एक्सप्लोरेशन तथा उत्पादन (भा.)
एमएमटी	मिलियन मीट्रिक टन
एमएमटीओई	मिलियन मीट्रिक टन तेल समकक्ष
एमओपीएनजी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
एमओयू	सहमति ज्ञापन
एमटीओई	मैट्रिक टन तेल समकक्ष
एमडब्ल्यूपी	न्यूनतम कार्य कार्यक्रम
एनईएलपी	न्यू एक्सप्लोरेशन लाइसेंसिंग पालिसी
एनओसी	राष्ट्रीय तेल कम्पनियां
एनआईकेओ	निको रिशोरर्सेस लिमिटेड
एसईएलएएन	सेलन एक्सप्लोरेशन तकनिकि लिमिटेड
एसबीयू	नीतिगत व्यवसाय यूनिट
एसक्यूकेएम/एसकेएम	वर्ग किलोमीटर
एसपीआईसी	भूकंपीय डाटा प्रसंस्करण और व्याख्या केन्द्र
एफबी	फ्रन्टीयर बेसिन
बीई	बजट अनुमान
बीओई	तेल समकक्ष के बैरेल
बीटी	बिलियन टन
सीएजी	भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक
सीईसी	कारपोरेट अन्वेषण केन्द्र
सीएमडी	अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
सीपीएसई	केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम
डीजीएच	महानिदेशक, हाईड्रोकार्बन
डीओसी	वाणिजत्व की घोषणा
डीपीई	लोक उद्यम विभाग
डब्ल्यूओबी	पश्चिमी अपतटीय बेसिन
डब्ल्यूओएन	पश्चिमी तटवर्ती बेसिन
ई एण्ड डी	अन्वेषण एवं विकास
ई एण्ड पी	अन्वेषण एवं उत्पादन
इसी	कार्यकारिणी समिति

ईओएल	ऐसार ऑयल लिमिटेड
ईएक्ससीओएम	अन्वेषण एवं ठेका प्रबन्धन
जी एण्ड जी	भूवैज्ञानिक एवं भूभौतिकीय
जीईओपीआईसी	भू-डाटा प्रसंस्करण और व्याख्या केन्द्र
जीएनडी	सरकारी नामांकित निदेशक
जीओआई	भारत सरकार
जेओजीपीएल	जुबिलियंट ऑयल एंव गैस प्रा. लिमिटेड
जीएसपीसी	गुजरात राज्य पेट्रोलियम निगम
जीटीओ	भू तकनीकी आदेश
जेवी	संयुक्त उद्यम
आईडीटी	ड्रिलिंग प्रौद्योगिकी संस्थान
आईआईएच	प्रारंभिक स्थान में हाईड्रोकार्बन
आईओजीपीटी	तेल एवं गैस उत्पादन प्रौद्योगिकी संस्थान
आईआरएस	रिजर्वर अध्ययन संस्थान
आर एंड डी	अनुसंधान एवं विकास
आरई	संशोधित अनुमान
आरजीएल	क्षेत्रीय भूविज्ञान प्रयोगशाला
ओबीसी	समुद्र तल केबलिंग
ओआईएल	ऑयल इंडिया लिमिटेड
ओआईएसडी	तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय
ओएनजीसी	तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड
ओआरडीएक्ट	तेल विनियमन एवं विकास अधिनियम, 1948
केडीएमआईपीई	केशव देव मालवीय इंस्ट्रीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम इंजीनियरिंग
कैनोको	कैनोको फिलिप्स
केजीपीजी	कृष्णा गोदावरी प्रणाहिता गोदावरी
केपीआई	की निष्पादन संकेतक
गजप्रोम	गजप्रोम ईपी अंतराष्ट्रिय बीवी
पीईएल	पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस
पीएमबीजी	निष्पादन प्रबन्धन और बेंचमार्क ग्रुप
पीएनजीरूल्स	पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियमावली
पीओज	क्रय आदेश
पीआरपी	निष्पादन संबंधित वेतन
पीएसई	सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों

© भारत के
नियंत्रक-महालेखापरीक्षक
www.cag.gov.in